भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2407

15 मार्च, 2023 के लिए प्रश्न

महाराष्ट्र के गन्ना किसानों को सहायता

2407. श्री बिद्युत बरण महतो:

श्री प्रताप राव जाधव:

श्री सुधीर गुप्ता:

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या लगातार वर्षा आदि जैसी प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के कारण चालू वर्ष 2022-23 के दौरान देश में, विशेषकर महाराष्ट्र राज्य के विभिन्न भागों में चीनी उत्पादन में गिरावट आने की आशंका है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और चीनी उत्पादन और अन्य संबद्ध चीजों पर इसका क्या प्रभाव पड़ने की आशंका है;

(ग) क्या केन्द्र सरकार ने महाराष्ट्र राज्य में गन्ना किसानों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए एक दल भेजा है/भेजने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ड.) गन्ना किसानों को इस संकट से बाहर निकालने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए अन्य कदमों/उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

ग्रामीण विकास तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(साध्वी निरंजन ज्योति)

(क) और (ख): वर्तमान चीनी मौसम 2022-23 में, महाराष्ट्र और कर्नाटक सहित कुछ राज्यों में उत्पादन में गिरावट के कारण देश में चीनी उत्पादन पिछले मौसम की तुलना में थोड़ा कम रहने का अनुमान है, जबकि तमिलनाडु जैसे कुछ राज्यों में पिछले मौसम से उत्पादन अधिक हो सकता है।

.....2/-

चीनी मौसम 2021-22 के दौरान, भारत ने इथेनॉल उत्पादन के लिए 36 लाख टन चीनी के डायवर्जन को छोड़कर 359 लाख टन चीनी का उत्पादन किया था। वर्तमान चीनी मौसम 2022-23 में, राज्य गन्ना आयुक्तों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर, इथेनॉल उत्पादन के लिए 45 लाख टन चीनी के डायवर्जन को छोड़कर चीनी उत्पादन 330 लाख टन से अधिक होने का अनुमान है।

ऊपर वर्णित थोड़ी कमी के बावजूद चालू मौसम में चीनी का उत्पादन विगत 4 मौसमों (विगत मौसम 2021-22 के बाद) में दूसरा उच्चतम है।

इसके अलावा, पूरे वर्ष घरेलू खपत के लिए पर्याप्त चीनी उपलब्ध रहेगी।

(ग): यद्यपि महाराष्ट्र में इस मौसम में गन्ने के उत्पादन में गिरावट आयी है, फिर भी महाराष्ट्र में गन्ने की उपज देश में सबसे अधिक बनी हुई है।

(घ): प्रश्न नहीं उठता।

(ड.): केंद्र सरकार ने किसानों को गन्ने के बकाये का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए पिछले 5 वर्षों में चीनी मिलों को वित्तीय सहायता के लिए विभिन्न नीतिगत हस्तक्षेप किए हैं और कई योजनाएं शुरू की हैं। इसके अलावा, अधिशेष चीनी के निर्यात और इथेनॉल उत्पादन में चीनी के डायवर्जन ने चीनी उद्योग को आत्मनिर्भर बना दिया है, जिससे चीनी मिलों और गन्ना किसानों की वित्तीय स्थिति बेहतर हो गई है।

इसके परिणामस्वरूप, पिछले मौसम 2021-22 के 99.7% प्रतिशत गन्ने के बकाए का भुगतान चीनी मिलों द्वारा पहले ही कर दिया गया है, जबकि पहले के मौसमों के 99.9% प्रतिशत से अधिक गन्ने के बकाया का भी भुगतान कर दिया गया है।

*****